an>

title: Need to relax norms for wheat procurement in view of unseasonal rain and provide compensation to the affected farmers.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : माननीय डिप्टी स्पीकर साहब, बेमौसमी बारिश के कारण फसलों का जो नुकसान हुआ है, उसकी फिजिकल वेरीफिकेशन करके नुकसान का असेसमैंट तो कर दिया, उसके नार्म्स तय कर दिये, किंतु वे अभी तक पहुंचे नहीं हैं, डिले हैं। हमारा कहना है कि वह जल्दी से जल्दी जाने चाहिए। सबसे ज्यादा चिंता वाली बात यह है कि उत्पादक बहुत कम रह गया है, यानी पर एकड़ आधा रह गया है। जहां 20 क्विंटल एकड़ गेहूं निकलती थी, वहां 10 क्विंटल ही निकल रही है। उसे कम्पैनसेट करने के लिए भारत सरकार ने अभी तक कुछ एनाउंस नहीं किया। मैं चाहता हूं कि कम से कम 300 रुपये पर क्विंटल बोनस के रूप में किसानों को दिया जाये।

दूसरा, मौसम में नमी होने के कारण हवा में मॉइस्चर की दर बढ़ गयी है। जबकि इसके लिए मॉइस्चर का परसेंटेज बढ़ाना चाहिए। पहले 14 परसेंट होता था, लेकिन अब उसे 12 परसेंट कर दिया है। इस स्पेसीफिकेशन के आधार पर कोई भी गेहूं खरीद नहीं पायेगा। हमारा कहना है कि इसमें रिलैक्सेशन देनी चाहिए।

तीसरा, केन्द्रीय टीम सब प्रदेशों में गयी है। पंजाब में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, लेकिन उसके लिए केन्द्रीय टीम का गठन ही नहीं हुआ है। जब वहां कोई केन्द्रीय टीम ही नहीं गयी, तो वहां पैसा कैसे जायेगा। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि किसानों को बोनस दिया जाये, मॉइस्चर में रिलैक्सेशन भी दी जाये और वहां केन्द्रीय टीम भी जल्दी से जल्दी जाये।